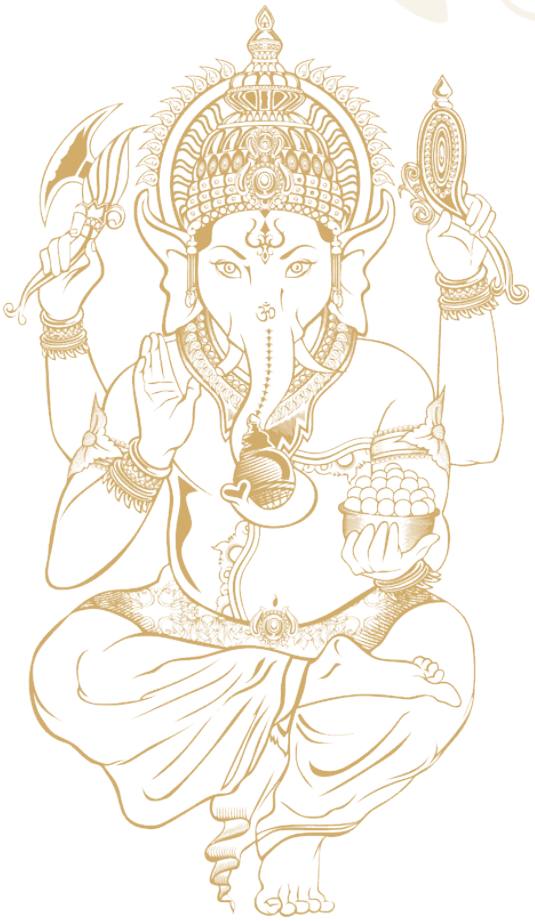

Manglam Atigya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121832703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/11/1997	जन्म तिथि	22/08/1997
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 21:06:00	जन्म समय	17:40:00 घंटे
घटी 36:19:13	जन्म समय(घटी)	29:24:56 घटी
India	देश	India
Pichhor	स्थान	Pichhor
25:09:00 उत्तर	अक्षांश	25:09:00 उत्तर
78:10:00 पूर्व	रेखांश	78:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:20	स्थानिक संस्कार	-00:17:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:34:18	सूर्योदय	05:54:01
17:29:31	सूर्यास्त	18:45:57
23:49:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:25

विंशोत्तरी चन्द्र 7वर्ष 3मा 9दि राहु 25/02/2012 24/02/2030		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 5वर्ष 10मा 18दि सूर्य 12/07/2023 11/07/2029	
राहु	07/11/2014	17:39:09	वृश्चि	बुध व	सिंह	21:22:17	सूर्य	29/10/2023
गुरु	01/04/2017	20:37:23	मक	गुरु व	मक	21:31:19	चन्द्र	29/04/2024
शनि	06/02/2020	16:09:55	धनु	शुक्र	कन्या	11:59:33	मंगल	04/09/2024
बुध	26/08/2022	20:32:26	मीन व	शनि व	मीन	26:10:10	राहु	29/07/2025
केतु	13/09/2023	23:35:15	सिंह व	राहु	सिंह	26:01:03	गुरु	18/05/2026
शुक्र	13/09/2026	23:35:15	कुंभ व	केतु	कुंभ	26:01:03	शनि	29/04/2027
सूर्य	08/08/2027	11:20:55	मक	हर्ष व	मक	11:57:43	बुध	05/03/2028
चन्द्र	06/02/2029	03:44:39	मक	नेप व	मक	03:55:39	केतु	11/07/2028
मंगल	24/02/2030	11:10:22	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:01:39	शुक्र	11/07/2029

लग्न-चलित

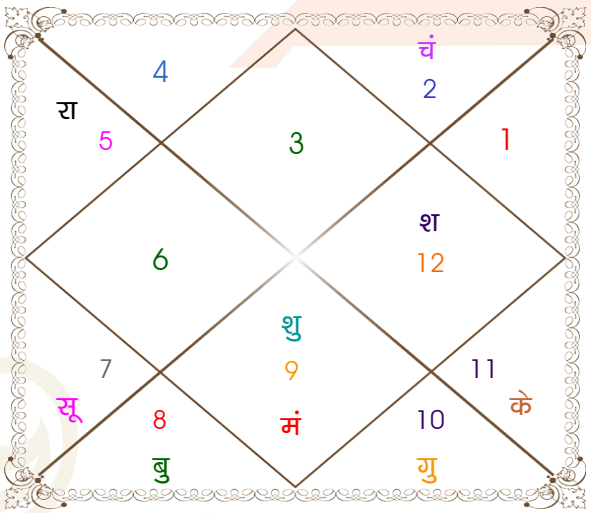

लग्न-चलित

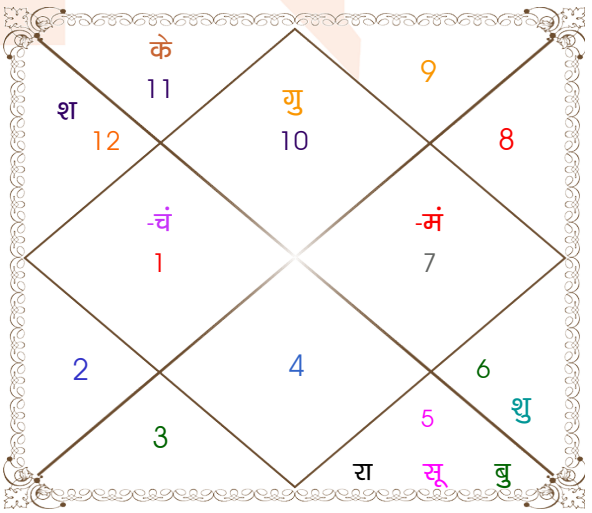

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Manglam का वर्ग मृग है तथा Atigya का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Manglam और Atigya का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Manglam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Atigya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Atigya कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Manglam तथा Atigya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।